Annexure – 2-C

परिष्कार कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेंस
(ऑटोनॉमस)
मानसरोवर, जयपुर

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

UGC
University Grants Commission

चयन–आधारित क्रेडिट पद्धति

(CBCS)

सेमेस्टर पद्धति

I एवं II सेमेस्टर – 2022–23

III एवं IV सेमेस्टर – 2023–24

हिंदी विभाग

- डॉ. किरण शर्मा
- सुनीता गोपालिया

प्रस्तावना – एम.ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर का कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी के विवेक को विस्तार देते हुए गहन अध्ययन तथा शोध की उत्कंठा विकसित करना है। ज्ञान की शाखाओं के साथ–साथ विश्व को सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और संवेदनशील व्यक्तित्व की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरूद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके। साहित्य का अध्ययन मनुष्य को इस संदर्भ में विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ़ करता है। भाषा, आलोचना, काव्यशास्त्र का अध्ययन सैद्धांतिक समझ को विस्तृत करता है वहीं कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने की युक्तियाँ छिपी रहती है। इस प्रकार एम.ए. हिंदी का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है। साथ ही पाठ्यक्रम की संरचना इस बात की आजादी भी देती है कि वह चयन आधारित क्रेडिट पद्धति से अपनी इच्छाओं से विभिन्न विषयों को पढ़ सके।

उद्देश्य – एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को स्नातक के पश्चात् विषयों का गम्भीर अध्ययन की ओर प्रेरित करना है। एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभाजित किया गया है जिसमें प्रत्येक सेमेस्टर के चार प्रश्न पत्र होंगे और साथ ही तृतीय सेमेस्टर और चतुर्थ सेमेस्टर में ऐच्छिक प्रश्न पत्र का प्रावधान है जिससे विद्यार्थी की अंतर–अनुशासनिक समझ का भी विस्तार होता है। सभी विद्यार्थियों के लिए प्रोजेक्ट कार्य का भी प्रावधान है जिससे भविष्य में शोध की राहें भी सुगम हो सकें। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान कराना भी है जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके, साथ ही उसका भाषा कौशल, लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके। भाषा विज्ञान, काव्यशास्त्र, आलोचना, लोक साहित्य, हिंदी विमर्श, हिंदी साहित्य और प्रयोजनमूलक हिंदी आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थी के क्षितिज का विस्तार करने में सहायक है।

परिणाम – इस पाठ्यक्रम को पढ़ने–पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएँगे –

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के प्रारंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सके।
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ–साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।
- छात्र हिंदी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेगा।
- व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कम्प्यूटर और सिनेमा जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाजार के लिए आवश्यक योग्यता को भी विकास किया जा सके।
- हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा।
- साहित्य के माध्यम से सौंदर्यबोध, नैतिकता, पर्यावरण और सामाजिक समरसता संबंधी विषयों की समझ विकसित होगी।
- साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना। कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।
- साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों को लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सके।
- प्राचीन और नवीन भारतीय एवं पाश्चात्य सौन्दर्य सिद्धांतों तथा काव्यशास्त्रीय प्रतिमानों का अध्ययन विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।

चयन–आधारित क्रेडिट पद्धति

(CBCS)

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सेमेस्टर – I

प्रथम प्रश्न पत्र : हिंदी कहानी

द्वितीय प्रश्न पत्र : हिंदी उपन्यास

तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी नाटक

चतुर्थ प्रश्न पत्र : अन्य गद्य विधाएँ

सेमेस्टर – II

प्रथम प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)

द्वितीय प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

तृतीय प्रश्न पत्र : प्राचीन काव्य

चतुर्थ प्रश्न पत्र : मध्यकालीन हिंदी काव्य

सेमेस्टर – III

प्रथम प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

द्वितीय प्रश्न पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

तृतीय प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य – ।

चतुर्थ प्रश्न पत्र (इलेक्टिव पेपर– कोई एक) : लोक साहित्य / प्रेमचंद / प्रयोजनमूलक हिंदी

सेमेस्टर – IV

प्रथम प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान

द्वितीय प्रश्न पत्र : हिंदी आलोचना

तृतीय प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य – ॥

चतुर्थ प्रश्न पत्र (इलेक्टिव पेपर– कोई एक) : स्त्री विमर्श / दलित विमर्श / लघु शोधप्रबंध

चयन–आधारित क्रेडिट पद्धति

(CBCS)

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम – सत्र – 2022 – 23

सेमेस्टर – I

प्रथम प्रश्न पत्र : हिंदी कहानी

Course Objective :

हिंदी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी प्राप्त होगी।

कहानी विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार का आलोचनात्मक अध्ययन का विकास होगा।

Course Learning Outcomes :

हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त होगा

कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण कर सकेगा

प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ विकसित हो सकेगी

अध्ययन का विषय :

- हिंदी कहानी का उद्भव एवं विकास
- हिंदी कहानी की मुख्य प्रवृत्तियाँ
- हिंदी के प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन
- **प्रमुख कहानियाँ**
  उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
  आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
  कफ़न – प्रेमचन्द
  नीलम देश की राजकन्या – जैनेन्द्र कुमार
  रोज़ – अज्ञेय
  परिंदे – निर्मल वर्मा
  मलबे का मालिक – मोहन राकेश
  राजा निरबंसिया – कमलेश्वर
  तीसरी कसम – फणीश्वरनाथ रेणु
  पिता – ज्ञानरंजन
  तिरिछ – उदयप्रकाश
  उजाले के मुसाहिब – विजयदान देथा
  पार्टीशन – स्वयंप्रकाश
  दूसरी कहानी – अलका सरावगी
  मैं और शहर और वे – मोहनदास नैमिशराय

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी कहानी का इतिहास : भाग 1, 2, 3 – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कथा समय – विजयमोहन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. एक दुनिया समानान्तर – सं. राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी की प्रतिनिधि कहानियाँ – जयंती प्रसाद नौटियाल, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर – ।

द्वितीय प्रश्न पत्र : हिंदी उपन्यास

Course Objective :

हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी प्राप्त होगी

प्रमुख साहित्यकार और उनके उपन्यासों की चर्चा कर सकेंगे

उपन्यास साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे

Course Learning Outcomes :

प्रमुख लेखकों एवं उपन्यासों का परिचय प्राप्त करेगा

उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति की समीक्षा कर सकेगा

अध्ययन का विषय :

- हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास
- हिंदी उपन्यास की मुख्य प्रवृत्तियाँ
- हिंदी के प्रमुख उपन्यासकार और उनके उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन
- **प्रमुख उपन्यास**
  गोदान – प्रेमचंद
  मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु
  समय सरगम – कृष्णा सोबती
  ग्लोबल गाँव के देवता – रणेन्द्र

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उपन्यास की संरचना – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य – गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना
5. गोदान का महत्त्व – सं. सत्यप्रकाश मिश्र, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद
6. मैला आँचल : वाद–विवाद – सं. भारत यायावर, आधार प्रकाशन, पंचकूला
7. मैला आँचल का महत्त्व – सं. मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद

सेमेस्टर – I

तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी नाटक

Course Objective :

आधुनिक हिंदी नाटक के उद्भव और विकास की जानकारी देना

नाट्य–विधा की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना

पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों के माध्यम से जीवन और समाज के विभिन्न मुद्दों की समझ और सुचिंतित दिशा को खोजने का प्रयास करना

Course Learning Outcomes :

संबंधित नाटककारों के युग की सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक–साहित्यिक–धार्मिक परिस्थितियों को समझ पायेंगे

विद्यार्थियों में भारत की एकता और सामाजिक समरसता के भाव का विकास होगा

स्त्री–सशक्तीकरण के भाव को बल मिलेगा

नैतिक मूल्यों का विकास होगा

अध्ययन का विषय :

- हिंदी नाटक का उद्भव और विकास
- हिंदी नाटक की मुख्य प्रवृत्तियाँ
- हिंदी नाटक के प्रमुख नाटककार और उनके नाटकों का आलोचनात्मक अध्ययन
- **प्रमुख नाटक**

  अंधेर नगरी – भारतेंदु
  ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
  आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
  अंजो दीदी – उपेन्द्रनाथ अश्क
  एक और द्रोणाचार्य – शंकरशेष

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
2. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. नाटककार भारतेन्दु : नये संदर्भ, नये विमर्श – सं. रमेश गौतम, नई किताब, दिल्ली
4. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ. नर्मदेश्वर राय, हिन्दी ग्रंथ कुटीर, पटना

सेमेस्टर – I

चतुर्थ प्रश्न पत्र : अन्य गद्य विधाएँ

Course Objective :

अन्य गद्य विधाओं की जानकारी प्राप्त होगी

विश्लेषण पद्धति की समझ विकसित होगी

प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई रचनाओं का अवलोकन करेंगे

Course Learning Outcomes :

कथेतर साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे

साहित्यिकता और समकालीन परिवेश के मध्य संबंध का विश्लेषण कर पायेगे

विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ विकसित होगी

अध्ययन का विषय

- अन्य गद्य विधाओं का उद्भव और विकास
  (निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तांत, डायरी)

  कथेतर गद्य विधाएँ
- **निबंध**
  श्रद्धा और भक्ति – आ. रामचन्द्र शुक्ल
  शिवशंभु के चिट्ठे (एक दुराशा) – बालमुकुंद गुप्त
  मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र
  नाखून क्यों बढ़ते हैं – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
- **संस्मरण**
  ठकुरी बाबा – महादेवी वर्मा
- **आत्मकथा**
  क्या भूलूँ क्या याद करूँ प्रथम खंड– 1–35 पृष्ठ (कहते हैं, आज से लगभग .... आश्चर्य की बात नहीं है) – हरिवंशराय बच्चन
- **जीवनी**
  आवारा मसीहा (प्रथम पर्व) – विष्णु प्रभाकर
- **यात्रावृत्तांत**
  चीड़ो पर चाँदनी 128–135 पृष्ठ (चीड़ो पर चाँदनी) – निर्मल वर्मा
- **डायरी**
  एक साहित्यिक की डायरी (नये की जन्म–कुण्डलीः एक, दो) – गजानन माधव 'मुक्तिबोध'

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण–विजयमोहन सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. हिन्दी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. साहित्य विधाओं की प्रकृति – सं. देवीशंकर अवस्थी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर – II

प्रथम प्रश्न पत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)

Course Objective :

हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी प्राप्त होगी

प्रमुख इतिहास ग्रन्थों का परिचय प्राप्त होगा

आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की समझ विकसित होगी

Course Learning Outcomes :

हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें

इतिहास ग्रन्थों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इतिहास निर्माण की पद्धति की जानकारी प्राप्त कर सकेगें

अध्ययन का विषय

- हिंदी साहित्य के अध्ययन का महत्त्व
- हिंदी साहित्य इतिहास लेखन – पद्धतियाँ
- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा और चुनौतियाँ
- हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण

आदिकाल : नामकरण, पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

- आदिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ
  सिद्ध साहित्य
  नाथ साहित्य
  जैन साहित्य
  रासो साहित्य
  लौकिक साहित्य

भक्तिकाल : पृष्ठभूमि (सामाजिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक), प्रमुख प्रवृत्तियाँ

- भक्ति आंदोलन और लोक जागरण
- भक्तिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ

  संत काव्यधारा

  सूफी काव्यधारा

  राम काव्यधारा

  कृष्ण काव्यधारा

रीतिकाल : नामकरण, पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

- रीतिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ

  रीतिबद्ध

  रीतिसिद्ध

  रीतिमुक्त

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास– हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का अतीत भाग–1 – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र (सं.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, बिहार लोकसभा प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
8. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

सेमेस्टर – II

द्वितीय प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

Course Objective :

भारतीय काव्यशास्त्र की समृद्ध परंपरा की जानकारी प्राप्त होगी

Course Learning Outcomes :

भारतीय काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा

अध्ययन का विषय

- काव्य का स्वरूप
  काव्य–लक्षण
  काव्य–हेतु
  काव्य–प्रयोजन
- काव्य के भेद (प्रबंध काव्य, मुक्त काव्य और गीतिकाव्य
- रस सिद्धांत
  रस : अर्थ एवं परिभाषा
  रस के अवयव, रस का स्वरूप
  रस–निष्पति
  साधारणीकरण
- ध्वनि सिद्धांत
  ध्वनि का अर्थ, लक्षण और स्वरूप
  ध्वनि–काव्य और उसके भेद
- अलंकार सिद्धांत
  अलंकार : अर्थ, लक्षण और स्वरूप
- रीति सिद्धांत
  रीति : अर्थ और स्वरूप और काव्य गुण
  रीति के भेद या प्रकार
- वक्रोक्ति सिद्धांत
  वक्रोक्ति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
  वक्रोक्ति के भेद, वक्रोत्ति एवं अभिव्यंजनावाद

अनुशंसित ग्रंथ :–

1. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र –सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा – राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भारतीय साहित्यशास्त्र – गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे, पॉपुलर बुक डिपो, मुंबई
5. काव्य के तत्त्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. भारतीय काव्यशास्त्र – रामचंद्र तिवारी
7. साहित्यशास्त्र – डॉ. विवेक शंकर

सेमेस्टर – II

तृतीय प्रश्न पत्र : प्राचीन काव्य

Course Objective :

हिंदी साहित्य के प्राचीन काव्य से अवगत कराना

आदिकाल के प्रमुख कवियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना

Course Learning Outcomes :

प्राचीन काव्य की स्पष्ट समझ विकसित होगी

आदिकाल के परिवेश – राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली–भांति परिचित हो सकेंगे

अध्ययन का विषय

- पृथ्वीराज रासो – रेवा तट (सं. कविराय मोहनसिंह)
- विधापति की पदावली – पद संख्या – 1–25 (सं. डॉ. नरेन्द्र झा)
- अमीर खुसरो खुसरो की पहेलियाँ एवं मुकरियाँ – भोलानाथ तिवारी

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ. शंभूनाथ पाण्डेय
4. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – डॉ. नामवर सिंह
5. विद्यापति – डॉ. नरेन्द्र झा

सेमेस्टर – II

चतुर्थ प्रश्न पत्र : मध्यकालीन हिंदी काव्य

Course Objective :

मध्यकालीन कवियों का – अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना

Course Learning Outcomes :

भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा

ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा

अध्ययन का विषय

- कबीर – (सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी) – पद संख्या – 160 से 209
- जायसी ग्रंथावली – (सं. रामचंद्र शुक्ल) –नागमती वियोग खण्ड
- सूरदास – भ्रमरगीत सार–(सं. रामचंद्र शुक्ल) – पद संख्या 21 से 70
- तुलसीदास – रामचरितमानस, उत्तरकाण्ड
- बिहारी सतसई – (सं. – जगन्नाथ दास रत्नाकर) – दोहा संख्या 1 से 50
- घनानंद कवित्त (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) – कवित्त संख्या 1 से 30

अनुशंसित ग्रंथ –

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल
2. उत्तर भारत की संत परंपरा – परशुराम चतुर्वेदी
3. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह
4. घनानन्द का काव्य – रामदेव शुक्ल
5. केशवदास – विजयपाल सिंह
6. घनानन्द का काव्य – रामदेव शुक्ल
7. बिहारी की काव्यभूमि – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. घनानन्द – मनोहर लाल गौड़